INDIAN EXPRESS, Delhi, 24.11.2023
Page No. 13, Size:(5.20)cms X (6.42)cms.

230-km pier work complete on bullet train project: Vaishnaw

PRESS TRUST OF INDIA
MUMBAI, NOVEMBER 23

THE NATIONAL High Speed Rail Corporation Limited building the Mumbai-Ahmedabad bullet train corridor said on Thursday that 100 km of viaducts and 230 km of pier work had been completed for the ambitious project.

The milestone of construction of 100 km of viaducts has been achieved through launching of 40-metre long 'full span box girders' and 'segmental girders', the NHSRCL said. Railway Minister Ashwini Vaishnaw uploaded a video on X, formerly Twitter, to inform about the feat. According to NHSRCL, the viaducts include bridges over six Gujarat rivers, namely Par and Auranga in Valsad district, as well as Purna, Mindhola, Ambika and Venganiya in Navsari district.

"The first girder of the project was launched on November 25, 2021, while the first kilometer of viaduct was ready in six months on June 30, 2022. It achieved construction of 50 kilometres of viaduct on April 22, 2023 and, thereafter, in six months 100 kilometers of viaduct were completed," the NHSRCL said.

"The Full Span Launching technique (FSLM), where 40-metre long box girders are launched by state-of-the-art equipment, is being used along with span by span launching of segments," it added.

The Indian EXPRESS Fri, 24 Nove https://epap

FREE PRESS JOURNAL, Mumbai, 24.11.2023
Page No. 6, Size:(14.55)cms X (8.82)cms.

Rail corridor completes 100km of viaducts

KAMAL MISHRA / Mumbai

The Mumbai-Ahmedabad High Speed Rail Corridor has achieved a major milestone with the completion of 100 kilometres of viaducts. The project marked the achievement following the launch of a 40-metre-long full span box girders and segmental girders.

The Full Span Launching Technique (FSLM) played a pivotal role, making the construction process 10 times faster than conventional Span by Span methods used in metro viaducts.

"This acceleration in progress allowed for the completion of the first kilometre within six months, reaching 50 kilometres in just 10 months, and ultimately achieving the 100-kilometre mark in a total of 16 months," an official said.

"The viaducts include bridges spanning six rivers in Gujarat: Par, Purna, Mindhola, Ambika, Auranga and Venganiya. Additionally, the completion of 250 kilometres of pier work underscores the comprehensive advancement of the project," he said.

Noteworthy developments include the initiation of noise barrier installation on the constructed viaduct. Furthermore, the corridor is pioneering the use of the Japanese Shinkansen's Reinforced Concrete (RC) track bed system, specifically the J-slab ballastless track, marking a first-of-its-kind implementation in India.

According to National High Speed Rail Corporation, the project has also achieved breakthroughs in tunnelling, completing a 350-metre mountain tunnel in Valsad district, Gujarat. Surat district witnessed the erection of the first steel bridge, measuring 70 metres in length, laying the foundation for the subsequent 27 steel bridges integral to the corridor.

ASIAN AGE, Delhi, 25.11.2023
Page No. 3, Size:(11.27)cms X (5.04)cms.

Vaishnaw shares video as bullet train project achieves milestone

Bullet train: 100 km of viaducts, 230 km pier work done

Mumbai, Nov. 24: The National High Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL), which is building the Mumbai-Ahmedabad bullet train corridor, has said that 100 kilometres of viaducts and 230 kilometres of pier work had been completed for the ambitious project. The milestone of construction of 100 km of viaducts has been achieved through launching of 40-metre long 'full span box girders' and 'segmental girders', the NHSRCL said on Thursday.

Railway minister Ashwini Vaishnaw uploaded a video on X to give information about the feat.

The viaducts include bridges over six Gujarat rivers, namely Par and Auranga in Valsad district, as well as Purna, Mindhola, Ambika and Venganiya in Navsari district.

"The first girder of the project was launched on November 25, 2021, while the first kilometre of viaduct was ready in six months on June 30, 2022. It achieved construction of 50 kilometres of viaduct on April 22, 2023 and, thereafter, in six months 100 kilometres of viaduct were completed," the NHSRCL said.

"The full span launching technique (FSLM), where 40-metre long box girders are launched by state-of-the-art equipment, is being used along with span-by-span launching of segments. FSLM is 10 times faster than the span-by-span method, which is normally used to build metro viaducts," it added.

According to the NHSRCL, apart from the viaduct work, 250 kilometres of pier work has also been completed for the project, while installation of noise barriers has begun along the constructed viaduct.

"Besides this, the laying of the first reinforced concrete (RC) track bed for the Mumbai Ahmedabad high speed rail corridor track system as used in the Japanese Shinkansen has also started in Surat," the NHSRCL said.

The total cost of the Mumbai-Ahmedabad High Speed Rail Corridor project is pegged at ₹1.08 lakh crores.

As per the shareholding pattern, the Union government will pay ₹10,000 crores to the NHSRCL, while Gujarat and Maharashtra are to pay ₹5,000 crores each.

The rest of the cost is by way of a loan at 0.1 per cent interest from Japan.

The foundation of the bullet train project was laid in Ahmedabad in September 2017. The train is expected to cover a distance of more than 500 km in around two hours. — *PTI*

PUNJAB KESARI, Delhi, 25.11.2023
Page No. 2, Size:(9.82)cms X (28.10)cms.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना ने पकड़ी गति

पुल और खंभे लगाने का कार्य पूरा

मुंबई, (पंजाब केसरी): मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन गलियारा परियोजना के लिए 100 किलोमीटर तक पुल (वायडक्ट) निर्माण और 230 किलोमीटर तक खंभे (पिअर) लगाने का काम पूरा हो चुका है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत निर्माण कार्य कर रही नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल)ने यह जानकारी दी। रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस संबंध में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक वीडियो भी जारी किया। एनएचएसआरसीएल के अनुसार, इन पुलों में गुजरात की छह नदियों यानी वलसाड जिले में पार और औरंगा, नवसारी जिले में पूर्णा, मिंधोला, अंबिका और वेंगानिया पर पुल शामिल हैं।

इस साल 22 अप्रैल को 50 किलोमीटर पुल निर्माण का काम पूरा कर लिया गया और फिर इसके छह महीने में 100 किलोमीटर तक पुल बना लिया गया।'' उसने बताया कि इसके अलावा परियोजना के लिए 250 किलोमीटर तक खंभे लगाने का काम भी पूरा हो चुका है और निर्मित पुल के किनारे शोर अवरोधक लगाने शुरू कर दिए गए हैं। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल गलियारा परियोजना की कुल लागत 1.08 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है। बाकी लागत जापान से 0.1 प्रतिशत ब्याज पर ऋण के माध्यम से पूरी की जा रही है।

बुलेट ट्रेन परियोजना की नींव सितंबर 2017 में अहमदाबाद में रखी गई थी। ट्रेन के लगभग दो घंटे में 500 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करने की उम्मीद है।

HAMARA MAHANAGAR, Mumbai, 25.11.2023
Page No. 3, Size:(14.16)cms X (5.13)cms.

यात्रीगण ध्यान दें! बुलेट ट्रेन निधारित समय से लेट है

भारत की पहली बुलेट ट्रेन का फर्स्ट फेज:100 KM का पुल तैयार, 250 किमी तक पिलर खड़े किए

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

भारत के बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का पहला फेज काम तेजी से जारी है। इसमें 100 किमी का पुल तैयार हो चुका है। 250 किमी तक पिलर खड़े किए जा चुके हैं। देश की पहली बुलेट ट्रेन मुंबई से अहमदाबाद के बीच चलेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी PM शिंजो आबे ने 14 सितंबर 2017 को अहमदाबाद में इस प्रोजेक्ट का इनॉगरेशन किया था। इस प्रोजेक्ट का नाम मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर रखा गया है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार 23 नवंबर को बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की झलक दिखाने वाला एक वीडियो शेयर किया। साथ ही प्रोजेक्ट से जुड़ी जानकारी भी शेयर की।

गर्डर्स की मदद से 100 किमी तक वायडक्ट का निर्माण पूरा

नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) के मुताबिक बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत 40 मीटर लंबे फुल स्पैन बॉक्स गर्डर्स और सेगमेंट गर्डर्स को जोड़कर 100 किमी तक वायडक्ट (Viaduct) का निर्माण किया जा चुका है। वायडक्ट एक पुल जैसा स्ट्रक्चर होता है, जो दो पिलर को आपस में जोड़ता है।

इस प्रोजेक्ट के तहत गुजरात की 6 नदियों पार (वलसाड जिला), पूर्णा (नवसारी जिला), मिंधोला (नवसारी जिला), अंबिका (नवसारी जिला), औरंगा (वलसाड जिला) और वेंगानिया (नवसारी जिला) पर पुल का निर्माण हो रहा है।

गुजरात में पहली पहाड़ी सुरंग तोड़ने का काम भी पूरा

गुजरात के वलसाड जिले में 350 मीटर की पहली पहाड़ी सुरंग को तोड़ने का काम पूरा हो चुका है। 70 मीटर लंबाई का पहला स्टील पुल गुजरात के सूरत जिले में बनाया गया है। यह उन 28 स्टील पुलों में से पहला है, जो मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर (MAHSR) का हिस्सा होगा।

मुंबई-अहमदाबाद के बीच चलने वाली बुलेट ट्रेन 508 किमी का सफर तीन घंटे में तय करेगी। अभी दूरंतो दोनों शहरों के बीच का सफर साढ़े पांच घंटे में तय करती है। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की कॉस्ट 1.08 लाख करोड़ रुपए है। यह प्रोजेक्ट मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कहलाता है।

JANSATTA, Delhi, 25.11.2023
Page No. 14, Size:(15.95)cms X (15.97)cms.

बुलेट ट्रेन : 230 किलोमीटर तक खंभे लगाने का काम पूरा

मुंबई, 24 नवंबर (भाषा)।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन गलियारा परियोजना के लिए 100 किलोमीटर तक पुल (वायडक्ट) निर्माण और 230 किलोमीटर तक खंभे (पिअर) लगाने का काम पूरा हो चुका है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत निर्माण कार्य कर रही नेशनल हाई स्पीड रेल कार्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने यह जानकारी दी।

रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस संबंध में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक वीडियो भी जारी किया। एनएचएसआरसीएल के अनुसार, इन पुलों में गुजरात की छह नदियों यानी वलसाड जिले में पार और औरंगा, नवसारी जिले में पूर्णा, मिंधोला, अंबिका और वेंगानिया पर पुल शामिल हैं। एनएचएसआरसीएल ने कहा, 'परियोजना का पहला गर्डर 25 नवंबर, 2021 को लगाया गया था और छह महीने में यानी 30 जून, 2022 तक एक किलोमीटर तक पुल तैयार हो गया था। इस साल 22 अप्रैल को 50 किलोमीटर पुल निर्माण का काम पूरा कर लिया गया और फिर इसके छह महीने में 100 किलोमीटर तक पुल बना लिया गया।'

उसने बताया कि इसके अलावा परियोजना के लिए 250 किलोमीटर तक खंभे लगाने का काम भी पूरा हो चुका है और निर्मित पुल के किनारे शोर अवरोधक लगाने शुरू कर दिए गए हैं। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल गलियारा परियोजना की कुल लागत 1.08 लाख करोड़ रुपए आंकी गई है।

शेयरधारण प्रणाली के अनुसार, केंद्र सरकार एनएचएसआरसीएल को 10,000 करोड़ रुपए का भुगतान करेगी, जबकि गुजरात सरकार पांच हजार करोड़ रुपए और महाराष्ट्र सरकार भी इतनी ही राशि का भुगतान करेगी।

जनसत्ता Sat, 25 November 2023
https://epaper.jansatta.com/c/73968639

HARI BHOOMI, Delhi, 25.11.2023
Page No. 1, Size:(21.87)cms X (30.94)cms.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन के तेजी से हो रहे काम का रेलमंत्री वैष्णव ने जारी किया वीडियो

100 किलोमीटर लंबा पुल तैयार 250 किमी तक पिलर खड़े हुए

2026 तक देश की पहली बुलेट ट्रेन चालू होने की उम्मीद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की जानकारी शेयर करने वाला एक वीडियो अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट किया है। बुलेट ट्रेन के इस प्रोजेक्ट का नाम मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर है। इसका 100 किलोमीटर का पुल तैयार हो चुका है जबकि 250 किलोमीटर तक पिलर यानी खंभे खड़े करने का काम हो गया है। एलीवेटेड सुपर स्ट्रक्चर 103.24 किलोमीटर का बन चुका है। यह जानकारी नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने दी है और रेल मंत्री ने इस अपडेट को अपने वीडियो में जोड़ा है। रेल मंत्री ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें वलसाड, ▶▶ शेष पेज 5 पर

100 किलोमीटर लंबा पुल...

नवसारी, सूरत, वडोदरा और आनंद जिलों से होकर गुजर रहे बुलेट ट्रेन पुल की झलक है जो कि शायद ड्रोन से शूट की गई है। गुजरात की 6 नदियों पर रेलवे ब्रिज का कंस्ट्रक्शन हो रहा है जिनके नाम पार, पूर्णा, मिंधोला, अंबिका, औरंगा और वेंगानिया हैं। रेल मंत्री वैष्णव ने जानकारी दी है कि 2026 तक देश की पहली बुलेट ट्रेन चालू होने की उम्मीद है।

NAV-BHARAT, Mumbai, 25.11.2023
Page No. 3, Size:(12.95)cms X (9.59)cms.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

बुलेट ट्रेन के काम ने पकड़ी स्पीड

100 किमी पुल, 230 किमी तक खंभे लगाने का कार्य हुआ पूरा

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन गलियारा परियोजना के लिए 100 किमी तक पुल (वायडक्ट) निर्माण और 230 किमी तक खंभे (पिअर) लगाने का काम पूरा हो चुका है. इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत निर्माण कार्य कर रही नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने यह जानकारी दी. रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस संबंध में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक वीडियो भी जारी किया. एनएचएसआरसीएल के अनुसार, इन पुलों में गुजरात की 6 नदियों यानी वलसाड जिले में पार और औरंगा, नवसारी जिले में पूर्णा, मिंधोला, अंबिका और वेंगानिया पर पुल शामिल हैं.

25 नवंबर 2021 को लगाया था पहला गर्डर

■ एनएचएसआरसीएल ने कहा कि परियोजना का पहला गर्डर 25 नवंबर, 2021 को लगाया गया था और 6 महीने में यानी 30 जून, 2022 तक 1 किमी तक पुल तैयार हो गया था. इस साल 22 अप्रैल को 50 किमी पुल निर्माण का काम पूरा कर लिया गया और फिर इसके 6 महीने में 100 किमी तक पुल बना लिया गया.

■ उसने बताया कि इसके अलावा परियोजना के लिए 250 किमी तक खंभे लगाने का काम भी पूरा हो चुका है और निर्मित पुल के किनारे शोर अवरोधक लगाने शुरू कर दिए गए हैं. मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल गलियारा परियोजना की कुल लागत 1.08 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है.

22 अप्रैल 2023 तक तैयार हो गया था 50 किमी पुल निर्माण

10 हजार करोड़ का भुगतान NHSRCL को करेगी केंद्र सरकार

05 हजार करोड़ महाराष्ट्र और इतना ही देगी गुजरात सरकार

06 नदियों पर बने पुल शामिल

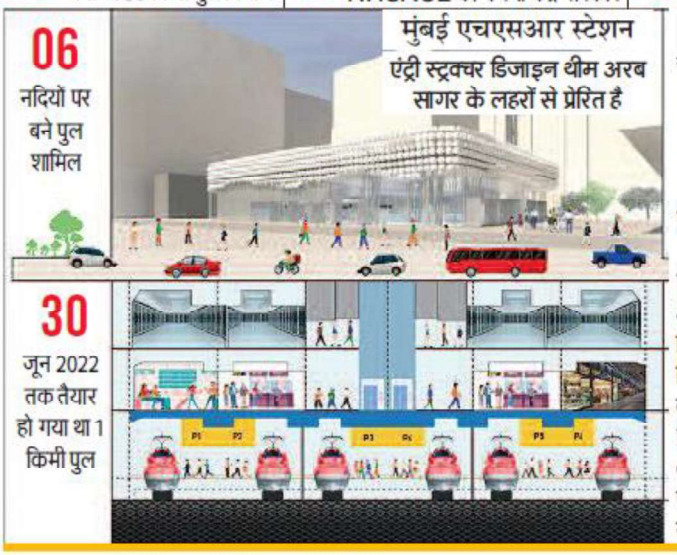

30 जून 2022 तक तैयार हो गया था 1 किमी पुल

महत्वपूर्ण बातें

जमीनी स्तर
- स्टेशन प्रवेश द्वार
- वेंटिलेशन शाफ्ट
- सुरक्षा और सामान की जांच
- केंद्रीय लैंडस्केप और रोशनदान

पहला बेसमेंट स्तर
- उपकरण कक्ष

दूसरा बेसमेंट स्तर
- अनपेड पेड कॉनकोर्स
- बिजनेस क्लास लाउंज
- टिकट कार्यालय, टीवीएम और कस्टमर केयर, कमर्शियल दुकानें

तीसरा बेसमेंट स्तर
- 6 प्लेटफार्म
- प्लेटफार्म संचालन कक्ष
- स्टेशन नियंत्रण कक्ष

सितंबर 2017 में रखी गई थी नींव

■ शेयरधारण प्रणाली के अनुसार केंद्र सरकार एनएचएसआरसीएल को 10,000 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी, जबकि गुजरात सरकार 5 हजार करोड़ रुपये और महाराष्ट्र सरकार भी इतनी ही राशि का भुगतान करेगी.

■ बाकी लागत जापान से 0.1% ब्याज पर ऋण के माध्यम से पूरी की जा रही है. बुलेट ट्रेन परियोजना की नींव सितंबर 2017 में अहमदाबाद में रखी गई थी. ट्रेन के लगभग दो घंटे में 500 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करने की उम्मीद है.

RASHTRIYA SAHARA, Delhi, 25.11.2023
Page No. 9, Size:(4.74)cms X (6.15)cms.

100 किमी तक पुल निर्माण, 230 किमी तक खंभे का कार्य पूरा

बुलेट ट्रेन परियोजना

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल गलियारा परियोजना की कुल लागत 1.08 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है

मुंबई (भाषा)। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन गलियारा परियोजना के लिए 100 किलोमीटर तक पुल (वायडक्ट) निर्माण और 230 किलोमीटर तक खंभे (पिलर) लगाने का काम पूरा हो चुका है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत निर्माण कार्य कर रही नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने यह जानकारी दी। रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस संबंध में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक वीडियो भी जारी किया। एनएचएसआरसीएल के अनुसार, इन पुलों में गुजरात की छह नदियों यानी वलसाड जिले में पार और औरंगा, नवसारी जिले में पूर्णा, मिंधोला, अंबिका और वेंगानिया पर पुल शामिल हैं।

एनएचएसआरसीएल ने कहा, 'परियोजना का पहला गर्डर 25 नवंबर, 2021 को लगाया गया था और छह महीने में यानी 30 जून, 2022 तक एक किलोमीटर तक पुल तैयार हो गया था। इस साल 22 अप्रैल को 50 किलोमीटर पुल निर्माण का काम पूरा कर लिया गया और फिर इसके छह महीने में 100 किलोमीटर तक पुल बना लिया गया।' उसने बताया कि इसके अलावा परियोजना के लिए 250 किलोमीटर तक खंभे लगाने का काम भी पूरा हो चुका है और निर्मित पुल के किनारे शोर अवरोधक लगाने शुरू कर दिए गए हैं। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल गलियारा परियोजना की कुल लागत 1.08 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है। शेयरधारण प्रणाली के अनुसार, केंद्र सरकार एनएचएसआरसीएल को 10,000 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी, जबकि गुजरात सरकार पांच हजार करोड़ रुपये और महाराष्ट्र सरकार भी इतनी ही राशि का भुगतान करेगी। बाकी लागत जापान से 0.1 प्रतिशत ब्याज पर ऋण के माध्यम से पूरी की जा रही है।

TIMES OF INDIA, Ahmedabad, 25.11.2023
Page No. 6, Size:(5.49)cms X (7.77)cms.

20% of viaduct work for bullet train over

Ahmedabad: About 100km of viaduct and 150km of pier work of the total 508km of the bullet train corridor between Ahmedabad and Mumbai have been completed, according to the National High-Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL).

The NHSRCL officials said that the first girder was launched on November 25, 2021 while the first km of viaduct was completed on June 30, 2022. Thereafter, the completion of 50km of viaduct was done in 10 months on April 22, 2023. NSHRCL officials said that the full span launching technique (FSLM) is being used as it is 10 times faster than the launching through span-by-span method, which is normally used for constructing metro elevated corridors. The corridor has bridges over six rivers — Par and Auranga in Valsad district, and Purna, Ambika, Venganiya and Mindhola in Navsari district. The installation of noise barriers has already started on the constructed elevated corridor. TNN

FREE PRESS JOURNAL, Mumbai, 25.11.2023
Page No. 12, Size:(14.46)cms X (6.81)cms.

Bullet train project moving at full speed

FPJ NEWS SERVICE / AHMEDABAD

Work on the bullet train project between Ahmedabad and Mumbai is going on at top speed, with elevated structures of the project being completed for 103.24 km of the line, while pillars have been constructed for 251.40 km, till November 21, Union Railway Minister Ashwini Vaishnaw said, while sharing a video clip of the bullet train project on his Twitter handle.

Prime Minister Narendra Modi and Japanese Prime Minister Shinzo Abe had laid the foundation stone for the bullet train between Ahmedabad and Mumbai, at Ahmedabad, on September 14, 2017. The train will cover in two hours the 508-km route, of which 352 km falls in Gujarat and 156 km in Maharashtra. About 7 km is to be under sea, while about 25 km will pass through tunnels.

The train will cross 21 small and big rivers and traverse 173 big and 201 small bridges.

Each train will have 10 coaches, carrying 750 passengers on one trip, with the target to ferry 17,900 passengers per day.

The bullet train will stop at four stations.

The deadline for the project is 2026 and the per km cost is likely to be around Rs212 crore. The Japanese government has advanced a loan of Rs18,750 crore for the project, which India will repay in 50 years.

Before the project began, the Japanese government trained 1,000 engineers and work leaders, of the 25,000 people who are to work on the project. Two maintenance depots will be set up, one each at the Sabarmati railway station and the other at Thane.

VEER ARJUN, Delhi, 25.11.2023
Page No. 8, Size:(21.87)cms X (30.94)cms.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन के लिए 100 किमी पुल का काम पूरा

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने साझा किया वीडियो

मुंबई, (भाषा)। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन गलियारा परियोजना के लिए 100 किलोमीटर तक पुल (वायडक्ट) निर्माण और 230 किलोमीटर तक खंभे (पिअर) लगाने का काम पूरा हो चुका है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत निर्माण कार्य कर रही नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने यह जानकारी दी।रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस संबंध में सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक वीडियो भी जारी किया। एनएचएसआरसीएल के अनुसार, इन पुलों में गुजरात की छह नदियों यानी वलसाड जिले में पार और औरंगा, नवसारी जिले में पूर्णा, मिंधोला, अंबिका और वेंगानिया पर पुल शामिल हैं।

एनएचएसआरसीएल ने कहा, परियोजना का पहला गर्डर 25 नवंबर, 2021 को लगाया गया था और छह महीने

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

में यानी 30 जून, 2022 तक एक किलोमीटर तक पुल तैयार हो गया था। इस साल 22 अप्रैल को 50 किलोमीटर पुल निर्माण का काम पूरा कर लिया गया और फिर इसके छह महीने में 100 किलोमीटर तक पुल बना लिया गया। उसने बताया कि इसके अलावा परियोजना के लिए 250 किलोमीटर तक खंभे लगाने का काम भी पूरा हो चुका है और निर्मित पुल के किनारे शोर अवरोधक लगाने शुरू कर दिए गए हैं। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल गलियारा परियोजना की कुल लागत 1.08 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है। शेयरधारण प्रणाली के अनुसार, केंद्र सरकार एनएचएसआरसीएल को 10,000 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी, जबकि गुजरात सरकार पांच हजार करोड़ रुपये और महाराष्ट्र सरकार भी इतनी ही राशि का भुगतान करेगी। बाकी लागत जापान से 0.1 प्रतिशत ब्याज पर ऋण के माध्यम से पूरी की जा रही है।बुलेट ट्रेन परियोजना की नींव सितंबर 2017 में अहमदाबाद में रखी गई थी। ट्रेन के लगभग दो घंटे में 500 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करने की उम्मीद है।

LOKMAT, Mumbai, 25.11.2023
Page No. 10, Size:(9.74)cms X (5.44)cms.

100 kms bridge , 250 kms pilars ready: Mumbai -Ahmedabad Bullet train project's first phase work in progress with full swing

१०० किमीचा पूल, २५० किमीचे खांब तयार

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेनच्या पहिल्या टप्प्याचे काम वेगाने सुरू

लोकमत न्यूज नेटवर्क

नवी दिल्ली : भारतातील महत्त्वाकांक्षी बुलेट ट्रेन प्रकल्पाच्या पहिल्या टप्प्याचे काम वेगाने सुरू आहे. १०० किमी लांबीचा पूल पूर्ण झाला असून, २५० किमीसाठी खांब उभारण्यात आले आहेत. देशातील ही पहिली बुलेट ट्रेन मुंबई ते अहमदाबाद दरम्यान धावणार आहे.

पंतप्रधान नरेंद्र मोदी आणि जपानचे पंतप्रधान शिंजो आबे यांनी १४ सप्टेंबर २०१७ रोजी अहमदाबादमध्ये या प्रकल्पाचे उद्घाटन केले. रेल्वे मंत्री अश्विनी वैष्णव यांनी गुरुवारी २३ नोव्हेंबर रोजी बुलेट ट्रेन प्रकल्पाची झलक दर्शविणारा व्हिडिओ शेअर केला. तसेच प्रकल्पाच्या प्रगतीशी संबंधित माहितीही दिली. नॅशनल हाय-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेडने (एनएचएसआरसीएल) दिलेल्या माहितीनुसार, बुलेट ट्रेन प्रकल्पांतर्गत ४० मीटर लांबीचे फुल स्पॅन बॉक्स गर्डर व सेगमेंट गर्डर जोडून १०० किमीचा मार्ग बांधण्यात आला आहे.

गुजरातमधील पहिल्या बोगद्याचे काम पूर्ण

गुजरातमधील वलसाड जिल्ह्यातील पहिला ३५० मीटरचा पर्वतीय बोगदा तयार करण्याचे काम पूर्ण झाले आहे. सुरतमध्ये ७० मीटर लांबीचा पहिला पोलादी पूल बांधण्यात आला आहे.

तीन तासांत ५०८ कि.मी.

मुंबई-अहमदाबाद दरम्यान धावणारी बुलेट ट्रेन ५०८ किमीचे अंतर ३ तासात पूर्ण करेल. सध्या दुरांतोला दोन शहरांदरम्यानचे अंतर पार करण्यासाठी साडेपाच तास लागतात. या प्रकल्पाची किंमत १.०८ लाख कोटी रुपये आहे.

MIDDAY, Mumbai, 25.11.2023
Page No. 7, Size:(4.55)cms X (7.24)cms.

Mum-Ahd bullet train: 100 km of viaducts, 230 km pier work done

THE National High Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL), which is building the Mumbai-Ahmedabad bullet train corridor, has said that 100 km of viaducts and 230 km of pier work had been completed for the project.

The total cost of the Mumbai-Ahmedabad High Speed Rail Corridor project is pegged at ₹1.08 lakh crore

The milestone of construction of 100 km of viaducts has been achieved through launching of 40-metre long 'full span box girders' and 'segmental girders', the NHSRCL said on Thursday. Railway Minister Ashwini Vaishnaw uploaded a video on X to give information about the feat.

According to the NHSRCL, the viaducts include bridges over six Gujarat rivers, namely Par and Auranga in Valsad district, as well as Purna, Mindhola, Ambika and Venganiya in Navsari district.

"The first girder of the project was launched on November 25, 2021, while the first kilometre of viaduct was ready in six months on June 30, 2022. It achieved construction of 50 km of viaduct on April 22, 2023 and, thereafter, in six months 100 km of viaduct were completed," the NHSRCL said.

"The Full Span Launching technique (FSLM), where 40-metre long box girders are launched by state-of-the-art equipment, is being used along with span-by-span launching of segments. FSLM is 10 times faster than the span-by-span method, which is normally used to build metro viaducts," it added. According to the NHSRCL, apart from the viaduct work, 250 kilometres of pier work has also been completed for the project, while installation of noise barriers has begun along the constructed viaduct.

"Besides this, the laying of the first reinforced concrete (RC) track bed for the Mumbai Ahmedabad high speed rail corridor track system as used in the Japanese Shinkansen has also started in Surat," the NHSRCL said. **Agencies**

I NEXT, Meerut, 25.11.2023
Page No. 6, Size:(30.94)cms X (21.87)cms.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

प्रोजेक्ट मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर रखा गया परियोजना का नाम, समुद्र के बीच से होकर चलेगी

भारत की पहली बुलेट ट्रेन का First phase clear

कॉरिडोर ट्रैक सिस्टम के लिए सूरत में भी कंक्रीट ट्रैक बिछाने का काम शुरू

newsroom@inext.co.in

भारत के बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का पहले फेज का काम तेजी से जारी है. इसमें 100 किमी का पुल तैयार हो चुका है. 250 किमी तक पिलर खड़े किए जा चुके हैं. देश की पहली बुलेट ट्रेन मुंबई से अहमदाबाद के बीच चलेगी. पीएम नरेंद्र मोदी और जापानी पीएम शिंजो आबे ने 14 सितंबर 2017 को अहमदाबाद में इस प्रोजेक्ट का इनॉगरेशन किया था. इस प्रोजेक्ट का नाम मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर रखा गया है. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने थर्सडे 23 नवंबर को बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की झलक दिखाने वाला एक वीडियो शेयर किया. साथ ही प्रोजेक्ट से जुड़ी जानकारी भी शेयर की.

6 नदियों पर हो रहा है पुल का काम

7 किमी हिस्सा होगा समुद्र के अंदर

14 सितंबर 2017 को हुआ था इनॉग्रेशन

508 किमी का ओवरऑल रूट

250 किमी तक खड़े किए जा चुके है पिलर

100 किमी का पुल हो चुका है तैयार

गर्डर्स की मदद से वायडक्ट का काम पूरा

नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के मुताबिक, बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत 40 मीटर लंबे फुल स्पैन बॉक्स गर्डर्स और सेगमेंट गर्डर्स को जोड़कर 100 किमी तक वायडक्ट का काम किया जा चुका है. वायडक्ट एक पुल जैसा स्ट्रक्चर होता है, जो दो पिलर को आपस में जोड़ता है.

इस प्रोजेक्ट के तहत गुजरात की 6 नदियों पर पुल का काम हो रहा है.

- पार (वलसाड जिला)
- पूर्णा (नवसारी जिला)
- मिंधोला (नवसारी जिला)
- अंबिका (नवसारी जिला)
- औरंगा (वलसाड जिला)
- वेंगानिया

12 स्टेशन, 3 घंटे का सफर

1. मुंबई-अहमदाबाद रूट पर बुलेट ट्रेन की मैक्जिमम स्पीड 350 किमी प्रति घंटा होगी. अभी मुंबई-अहमदाबाद के बीच नॉर्मल ट्रेन से दूरी 7-8 घंटे की है.
2. अगर बुलेट ट्रेन 12 स्टेशनों पर रुकेगी तो 3 घंटे में 508 किमी का सफर पूरा करेगी. यानी एवरेज स्पीड 170 किमी/घंटा होगी.
3. अगर 4 ही स्टेशनों मुंबई, अहमदाबाद, सूरत और वड़ोदरा पर रुकेगी तो दो घंटे में सफर पूरा कर लेगी. ऐसे में एवरेज स्पीड 254 किमी/घंटा होगी.

92 परसेंट ट्रैक रहेगा एलिवेटेड

- 508 किमी के रूट में से 351 किमी हिस्सा गुजरात और 157 किमी हिस्सा महाराष्ट्र से गुजरेगा. 92 परसेंट यानी 468 किमी लंबा ट्रैक एलिवेटेड रहेगा.
- मुंबई में 7 किमी का हिस्सा समुद्र के अंदर होगा. 25 किमी का रूट सुरंग से गुजरेगा. 13 किमी हिस्सा जमीन पर होगा. बुलेट ट्रेन 70 हाईवे, 21 नदियां पार करेगी.

RAJASTHAN PATRIKA, Ahmedabad, 25.11.2023
Page No. 4, Size:(11.68)cms X (14.91)cms.

मुम्बई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

100 किमी वायाडक्ट और 250 किमी तक पियर पूरे

वलसाड जिले में पहली पहाड़ी सुरंग तोड़ने का काम भी पूरा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. मुम्बई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए 100 किमी वायडक्ट निर्माण और 250 किमी तक पियर लगाने का कार्य पूरा हो चुका है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को 'बुलेट ट्रेन' परियोजना की प्रगति पर एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है। पोस्ट में उन्होंने कहा कि बुलेट ट्रेन परियोजना की प्रगति जारी है। 21 नवंबर तक 251.40 किमी तक खंभे (पियर) और 103.24 किमी तक वायाडक्ट ब्रिज बनाने का कार्य पूरा हो चुका है। वायाडक्ट लंबा पुल जैसी संरचना होती है, जो रेलवे लाइन निर्माण के लिए ऊंचे खंभों के बीच लगाई जाती है।

देश की पहली मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना को पूरा करने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। इसमें नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने एक और मील का पत्थर हासिल किया है। बुलेट ट्रेन परियोजना पर एनएचएसआरसीएल ने 100 किमी वायाडक्ट पुल और 250 किमी पियर का काम पूरा करने की जानकारी दी है।

वहीं, बुलेट ट्रेन परियोजना में 40 मीटर लंबे फुल स्पैन बॉक्स गर्डर्स और सेगमेंट गर्डर्स के लॉन्चिंग से वायाडक्ट का निर्माण किया है। एनएचएसईसीएल ने कहा कि परियोजना में छह नदियों पर पुल निर्माण भी शामिल हैं और सभी गुजरात में हैं। इसके अलावा एमएएचएसआर कॉरिडोर पर ट्रैक सिस्टम के लिए आरसी ट्रैक बेड का बिछाने का कार्य भी सूरत में शुरू हो गया है। भारत में पहली बार जे-स्लैब गिट्टी रहित ट्रैक प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है।

भरुच कास्टिंग यार्ड

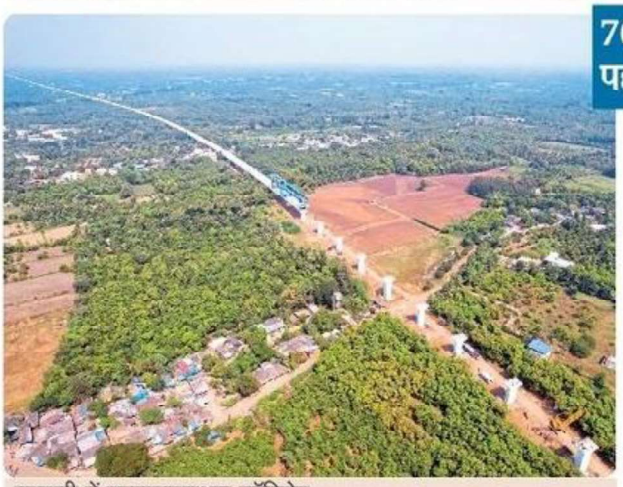

नवसारी में एमएएचएसआर कॉरिडोर

70 मीटर लंबाई का पहला स्टील पुल सूरत में

गुजरात के वलसाड जिले में पहाड़ में 350 मीटर की सुरंग को तोड़ने का काम पूरा होने के साथ 70 मीटर लंबाई का पहला स्टील पुल सूरत में गत अक्टूबर में ही नेशनल हाईवे-53 पर सफलतापूर्वक बनाया गया है। यह कॉरिडोर के 28 स्टील पुलों में से पहला है। गौरतलब है कि, भारत सरकार का लक्ष्य 2026 तक गुजरात में सूरत-बिलिमोरा के बीच बुलेट ट्रेन शुरू करने का है। जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी द्वारा वित्त पोषित इस परियोजना को सितंबर 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन जापानी पीएम शिंजो आबे द्वारा लॉन्च किया गया था। बुलेट ट्रेन द्वारा मुंबई और अहमदाबाद के बीच 508 किमी की दूरी लगभग साढ़े तीन घंटे में तय की जा सकेगी।

RAJASTHAN PATRIKA, Surat, 25.11.2023
Page No. 4, Size:(11.68)cms X (14.91)cms.

मुम्बई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

100 किमी वायाडक्ट और 250 किमी तक पियर पूरे

वलसाड जिले में पहली पहाड़ी सुरंग तोड़ने का काम भी पूरा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. मुम्बई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए 100 किमी वायडक्ट निर्माण और 250 किमी तक पियर लगाने का कार्य पूरा हो चुका है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को 'बुलेट ट्रेन' परियोजना की प्रगति पर एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है। पोस्ट में उन्होंने कहा कि बुलेट ट्रेन परियोजना की प्रगति जारी है। 21 नवंबर तक 251.40 किमी तक खंभे (पियर) और 103.24 किमी तक वायाडक्ट ब्रिज बनाने का कार्य पूरा हो चुका है। वायाडक्ट लंबा पुल जैसी संरचना होती है, जो रेलवे लाइन निर्माण के लिए ऊंचे खंभों के बीच लगाई जाती है।

देश की पहली मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना को पूरा करने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। इसमें नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने एक और मील का पत्थर हासिल किया है। बुलेट ट्रेन परियोजना पर एनएचएसआरसीएल ने 100 किमी वायाडक्ट पुल और 250 किमी पियर का काम पूरा करने की जानकारी दी है।

वहीं, बुलेट ट्रेन परियोजना में 40 मीटर लंबे फुल स्पैन बॉक्स गर्डर्स और सेगमेंट गर्डर्स के लॉन्चिंग से वायाडक्ट का निर्माण किया है। एनएचएसईसीएल ने कहा कि परियोजना में छह नदियों पर पुल निर्माण भी शामिल हैं और सभी गुजरात में हैं। इसके अलावा एमएएचएसआर कॉरिडोर पर ट्रैक सिस्टम के लिए आरसी ट्रैक बेड का बिछाने का कार्य भी सूरत में शुरू हो गया है। भारत में पहली बार जे-स्लैब गिट्टी रहित ट्रैक प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है।

भरुच कास्टिंग यार्ड

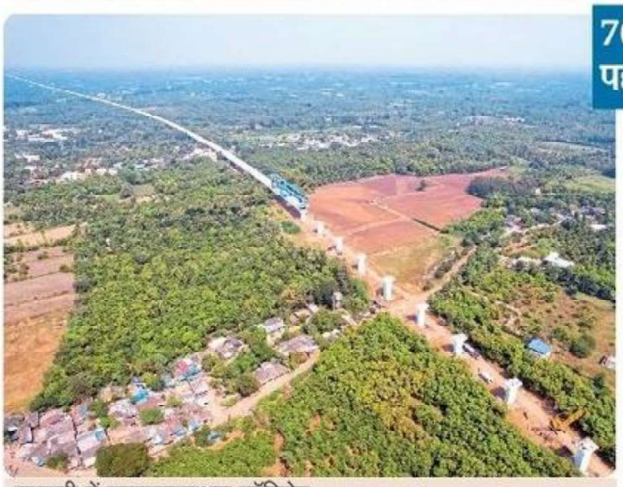

नवसारी में एमएएचएसआर कॉरिडोर

70 मीटर लंबाई का पहला स्टील पुल सूरत में

गुजरात के वलसाड जिले में पहाड़ में 350 मीटर की सुरंग को तोड़ने का काम पूरा होने के साथ 70 मीटर लंबाई का पहला स्टील पुल सूरत में गत अक्टूबर में ही नेशनल हाईवे-53 पर सफलतापूर्वक बनाया गया है। यह कॉरिडोर के 28 स्टील पुलों में से पहला है। गौरतलब है कि, भारत सरकार का लक्ष्य 2026 तक गुजरात में सूरत-बिलिमोरा के बीच बुलेट ट्रेन शुरू करने का है। जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी द्वारा वित्त पोषित इस परियोजना को सितंबर 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन जापानी पीएम शिंजो आबे द्वारा लॉन्च किया गया था। बुलेट ट्रेन द्वारा मुंबई और अहमदाबाद के बीच 508 किमी की दूरी लगभग साढ़े तीन घंटे में तय की जा सकेगी।

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

ORISSA POST, Bhubaneswar, 25.11.2023
Page No. 7, Size:(10.29)cms X (9.17)cms.

Mumbai-Ahmedabad bullet train: 100 km of viaducts completed

PRESS TRUST OF INDIA

Mumbai, Nov 24: The National High Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL), which is building the Mumbai-Ahmedabad bullet train corridor, has said that 100 kilometres of viaducts and 230 kilometres of pier work had been completed for the ambitious project.

The milestone of construction of 100 km of viaducts has been achieved through launching of 40-metre long 'full span box girders' and 'segmental girders', the NHSRCL said. Railway Minister Ashwini Vaishnaw uploaded a video on X to give information about the feat.

According to the NHSRCL, the viaducts include bridges over six Gujarat rivers, namely Par and Auranga in Valsad district, as well as Purna, Mindhola, Ambika and Venganiya in Navsari district.

"The first girder of the project was launched on November 25, 2021, while the first kilometre of

viaduct was ready in six months on June 30, 2022. It achieved construction of 50 kilometres of viaduct on April 22, 2023 and, thereafter, in six months 100 kilometres of viaduct were completed," the NHSRCL said.

"The Full Span Launching technique (FSLM), where 40-metre long box girders are launched by state-of-the-art equipment, is being used along with span-by-span launching of segments. FSLM is 10 times faster than the span-by-span method, which is normally used to build metro viaducts," it added.

According to the NHSRCL, apart from the viaduct work, 250 kilometres of pier work has also been completed for the project, while installation of noise barriers has begun along the constructed viaduct.

"Besides this, the laying of the first reinforced concrete (RC) track bed for the Mumbai Ahmedabad high speed rail corridor track system as used in the Japanese Shinkansen has also started in Surat," the NHSRCL said.

The total cost of the Mumbai-Ahmedabad High Speed Rail Corridor project is pegged at ₹1.08 lakh crore. As per the shareholding pattern, the Union government will pay ₹10,000 crore to the NHSRCL, while Gujarat and Maharashtra are to pay ₹5,000 crore each.

The rest of the cost is by way of a loan at 0.1 per cent interest from Japan. The foundation of the bullet train project was laid in Ahmedabad in September 2017. The train is expected to cover a distance of more than 500 km in around two hours.

RASHTRIYA SAHARA, Dehradun, 25.11.2023
Page No. 13, Size:(21.85)cms X (30.88)cms.

100 किमी तक पुल निर्माण, 230 किमी तक खंभे का कार्य पूरा

मुंबई (भाषा)। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन गलियारा परियोजना के लिए 100 किलोमीटर तक पुल (वायडक्ट) निर्माण और 230 किलोमीटर तक खंभे (पिलर) लगाने का काम पूरा हो चुका है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत निर्माण कार्य कर रही नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने यह जानकारी दी। रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस संबंध में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक वीडियो भी जारी किया। एनएचएसआरसीएल के अनुसार, इन पुलों में गुजरात की छह नदियों यानी वलसाड जिले में पार और औरंगा, नवसारी जिले में पूर्णा, मिंधोला, अंबिका और वेंगानिया पर पुल शामिल हैं। एनएचएसआरसीएल ने कहा, 'परियोजना का पहला गर्डर 25 नवंबर, 2021 को लगाया गया था और छह महीने में यानी 30 जून, 2022 तक एक किलोमीटर तक पुल तैयार हो गया था। इस साल 22 अप्रैल को 50 किलोमीटर पुल निर्माण का काम पूरा कर लिया गया और फिर इसके छह महीने में 100 किलोमीटर तक पुल बना लिया गया।' उसने बताया कि इसके अलावा परियोजना के लिए 250 किलोमीटर तक खंभे लगाने का काम भी पूरा हो चुका है और निर्मित पुल के किनारे शोर अवरोधक लगाने शुरू कर दिए गए हैं। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल गलियारा परियोजना की कुल लागत 1.08 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है। शेयरधारण प्रणाली के अनुसार, केंद्र सरकार एनएचएसआरसीएल को 10,000 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी, जबकि गुजरात सरकार पांच हजार करोड़ रुपये और महाराष्ट्र सरकार भी इतनी ही राशि का भुगतान करेगी। बाकी लागत जापान से 0.1 प्रतिशत ब्याज पर ऋण के माध्यम से पूरी की जा रही है।

RAJ EXPRESS, Bhopal, 25.11.2023
Page No. 12, Size:(24.90)cms X (13.59)cms.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

तेज रफ्तार 100 किमी का पुल तैयार, 250 किमी तक पिलर किए खड़े, मुंबई से अहमदाबाद के बीच चलेगी

भारत की पहली बुलेट ट्रेन का फर्स्ट फेज पूरी तरह तैयार

नई दिल्ली ■ आरएनएन

भारत के बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का पहले फेज का काम तेजी से जारी है। इसमें 100 किमी का पुल तैयार हो चुका है। 250 किमी तक पिलर खड़े किए जा चुके हैं। देश की पहली बुलेट ट्रेन मुंबई से अहमदाबाद के बीच चलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी पीएम शिंजो आबे ने 14 सितंबर 2017 को अहमदाबाद में इस प्रोजेक्ट का इनॉगरेशन किया था। इस प्रोजेक्ट का नाम मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर रखा गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार 23 नवंबर को बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की झलक दिखाने वाला एक वीडियो शेयर किया। साथ ही प्रोजेक्ट से जुड़ी जानकारी भी शेयर की।

गर्डर्स की मदद से 100 किमी तक वायडक्ट का निर्माण पूरा

नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के मुताबिक, बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत 40 मीटर लंबे फुल स्पैन बॉक्स गर्डर्स और सेगमेंट गर्डर्स को जोड़कर 100 किमी तक वायडक्ट का निर्माण किया जा चुका है। वायडक्ट एक पुल जैसा स्ट्रक्चर होता है, जो दो पिलर को आपस में जोड़ता है। इस प्रोजेक्ट के तहत गुजरात की 6 नदियों पार (वलसाड जिला), पूर्णा (नवसारी जिला), मिंधोला (नवसारी जिला), अंबिका (नवसारी जिला), औरंगा (वलसाड जिला) और वेंगानिया (नवसारी जिला) पर पुल का निर्माण हो रहा है।

2026 से चलेगी पहली बुलेट ट्रेन

पहले बुलेट ट्रेन साल 2022 तक चलाए जाने का टारगेट था। फिर इसे बढ़ाकर 2023 किया गया। इसके बाद रेल मंत्री वैष्णव ने बताया कि अब 2026 तक इसके चालू होने की उम्मीद है। इस प्रोजेक्ट में भारत को जापान से मदद मिल रही है। रेल मंत्री वैष्णव के मुताबिक, सूरत से बिलिमोरा के बीच पहली बुलेट ट्रेन चलाने का टारगेट रखा गया है। ऐसा होते ही भारत 15 देशों के एलीट क्लब में शामिल हो जाएगा, जिनके पास हाईस्पीड ट्रेन नेटवर्क है।

12 स्टेशन, 350 किमी/घंटा स्पीड, 3 घंटे का सफर

- मुंबई-अहमदाबाद रूट पर बुलेट ट्रेन की मैक्जिमम स्पीड 350 किमी/घंटा होगी। अभी मुंबई-अहमदाबाद के बीच नॉर्मल ट्रेन से दूरी 7-8 घंटे की है।
- अगर बुलेट ट्रेन 12 स्टेशनों पर रुकेगी तो 3 घंटे में 508 किमी का सफर पूरा करेगी। यानी एवरेज स्पीड 170 किमी/घंटा होगी।
- अगर 4 ही स्टेशनों मुंबई, अहमदाबाद, सूरत और वड़ोदरा पर रुकेगी तो दो घंटे में सफर पूरा कर लेगी। ऐसे में एवरेज स्पीड 254 किमी/घंटा होगी।
- इस रूट पर 12 स्टेशन मुंबई, ठाणे, विरार, भोइसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वड़ोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती हो सकते हैं।में मुंबई स्टेशन अंडरग्राउंड होगा।

HARI BHOOMI, Bhopal, 25.11.2023
Page No. 1, Size:(21.87)cms X (30.94)cms.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन के तेजी से हो रहे काम का रेलमंत्री वैष्णव ने जारी किया वीडियो

100 किलोमीटर लंबा पुल तैयार 250 किमी तक पिलर खड़े हुए

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की जानकारी शेयर करने वाला एक वीडियो अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट किया है। बुलेट ट्रेन के प्रोजेक्ट का नाम मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर है। इसका 100 किलोमीटर का पुल तैयार हो चुका है जबकि 250 किलोमीटर तक पिलर यानी खंभे खड़े करने का काम हो गया है। एलीवेटेड सुपर स्ट्रक्चर 103.24 किलोमीटर का बन चुका है। यह जानकारी नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने दी है और रेल मंत्री ने इस अपडेट को अपने वीडियो में जोड़ा है। रेल मंत्री ने जो वीडियो ▸▸ शेष पेज 6 पर

2026 तक देश की पहली बुलेट ट्रेन चालू होने की उम्मीद

100 किलोमीटर लंबा पुल ....

शेयर किया है उसमें वलसाड, नवसारी, सूरत, वडोदरा और प्रोजेक्ट के तहत 40 मीटर लंबे फुल स्पैन बॉक्स गर्डर्स और सेगमेंट गर्डर्स को जोड़कर 100 किमी तक वायडक्ट का निर्माण किया जा चुका है। वायडक्ट एक पुल जैसा स्ट्रक्चर होता है जो दो पिलर को आपस में जोड़ता है।

छह नदियों को पार कर बनाया गया पुल : इस प्रोजेक्ट के तहत गुजरात की छह नदियों पार (वलसाड जिला), पूर्णा (नवसारी जिला), मिंधोला (नवसारी जिला), अंबिका (नवसारी जिला), औरंगा (वलसाड जिला) और वेंगानिया (नवसारी जिला) पर पुल का निर्माण हो रहा है।

जरात में पहली पहाड़ी सुरंग तोड़ने का काम भी पूरा : गुजरात के वलसाड जिले में 0 मीटर की पहली पहाड़ी सुरंग को तोड़ने का काम पूरा हो चुका है और 70 मीटर बाई का पहला स्टील पुल गुजरात के सूरत जिले में बनाया गया है। यह उन 28 स्टील पुलों में से पहला है जो मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का हिस्सा होगा।

शुरुआत में 10, बाद में 16 कोच लगेंगे : शुरुआत 10 कोच वाली 35 बुलेट ट्रेनों से होगी। ये ट्रेनें रोजाना 70 फेरे लगाएंगी। एक बुलेट ट्रेन में 750 लोग बैठ सकेंगे। बाद में 1200 लोगों के लिए 16 कोच हो जाएंगे। 2050 तक इन ट्रेनों की संख्या बढ़ाकर 105 करने का प्लान है। **बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की कॉस्ट 1.08 लाख करोड़ रुपए :** मुंबई-अहमदाबाद के बीच चलने वाली बुलेट ट्रेन 508 किमी का सफर तीन घंटे में तय करेगी। अभी दुरंतो दोनों शहरों के बीच का सफर साढ़े पांच घंटे में तय करती है। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की कॉस्ट 1.08 लाख करोड़ रुपए है। यह प्रोजेक्ट मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कहलाता है।

HARI BHOOMI, Raipur, 25.11.2023
Page No. 3, Size:(21.87)cms X (30.94)cms.

बुलेट ट्रेन के लिए 6 नदियों पर तैयार हुआ 100 किमी पुल, पहाड़ तोड़कर बनाई सुरंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत की पहली बुलेट ट्रेन मुंबई से अहमदाबाद के बीच चलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी पीएम शिंजो आबे ने 14 सितंबर, 2017 को अहमदाबाद में इस प्रोजेक्ट का इनॉगरेशन किया था। इस प्रोजेक्ट का नाम मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर रखा गया है। प्रोजेक्ट के पहले फेज का काम चालू है। इसके तहत 100 किलोमीटर का पुल तैयार हो चुका ▶▶| शेष पेज 3 पर

पहली बुलेट ट्रेन 2026 में चलेगी

पहले बुलेट ट्रेन साल 2022 तक चलाए जाने का टारगेट था। फिर इसे बढ़ाकर 2023 किया गया। इसके बाद रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि अब 2026 तक इसके चालू होने की उम्मीद है। इस प्रोजेक्ट में भारत को जापान से मदद मिल रही है। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक,सूरत से बिलिमोरा के बीच पहली बुलेट ट्रेन चलाने का टारगेट रखा गया है।

7 किमी हिस्सा समुद्र के अंदर होगा

लगभग 508 किमी के रूट में से 351 किमी हिस्सा गुजरात और 157 किमी हिस्सा महाराष्ट्र से गुजरेगा। कुल 92% यानी 468 किमी लंबा ट्रैक एलिवेटेड रहेगा। मुंबई में 7 किमी का हिस्सा समुद्र के अंदर होगा। 25 किमी का रूट सुरंग से गुजरेगा। 13 किमी हिस्सा जमीन पर होगा। बुलेट ट्रेन 70 हाईवे, 21 नदियां पार करेगी। 173 बड़े और 201 छोटे ब्रिज बनेंगे।

आनंद जिलों से होकर गुजर रहे बुलेट ट्रेन पुल की झलक है जो कि शायद ड्रोन से शूट की गई है। गुजरात की 6 नदियों पर रेलवे ब्रिज का कंस्ट्रक्शन हो रहा है जिनके नाम पार, पूर्णा, मिंधोला, अंबिका, औरंगा और वेंगानिया हैं। रेल मंत्री वैष्णव ने जानकारी दी है कि 2026 तक देश की पहली बुलेट ट्रेन चालू होने की उम्मीद है।

HARI BHOOMI, Jabalpur, 25.11.2023
Page No. 1, Size:(21.87)cms X (30.94)cms.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन के तेजी से हो रहे काम का रेलमंत्री वैष्णव ने जारी किया वीडियो

100 किलोमीटर लंबा पुल तैयार 250 किमी तक पिलर खड़े हुए

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की जानकारी शेयर करने वाला एक वीडियो अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट किया है। बुलेट ट्रेन के इस प्रोजेक्ट का नाम मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर है। इसका 100 किलोमीटर का पुल तैयार हो चुका है जबकि 250 किलोमीटर तक पिलर यानी खंभे खड़े करने का काम हो गया है। एलीवेटेड सुपर स्ट्रक्चर 103.24 किलोमीटर का बन चुका है। यह जानकारी नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने दी है और रेल मंत्री ने इस अपडेट को अपने वीडियो में जोड़ा है।

2026 तक देश की पहली बुलेट ट्रेन चालू होने की उम्मीद

I NEXT, Agra, 25.11.2023
Page No. 9, Size:(30.94)cms X (21.87)cms.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

प्रोजेक्ट मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर रखा गया परियोजना का नाम, समुद्र के बीच से होकर चलेगी

भारत की पहली बुलेट ट्रेन का First phase clear

कॉरिडोर ट्रैक सिस्टम के लिए सूरत में भी कंक्रीट ट्रैक बिछाने का काम शुरू

newsroom@inext.co.in

भारत के बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का पहले फेज का काम तेजी से जारी है. इसमें 100 किमी का पुल तैयार हो चुका है. 250 किमी तक पिलर खड़े किए जा चुके हैं. देश की पहली बुलेट ट्रेन मुंबई से अहमदाबाद के बीच चलेगी. पीएम नरेंद्र मोदी और जापानी पीएम शिंजो आबे ने 14 सितंबर 2017 को अहमदाबाद में इस प्रोजेक्ट का इनॉगरेशन किया था. इस प्रोजेक्ट का नाम मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर रखा गया है. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने थर्सडे 23 नवंबर को बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की झलक दिखाने वाला एक वीडियो शेयर किया. साथ ही प्रोजेक्ट से जुड़ी जानकारी भी शेयर की.

6 नदियों पर हो रहा है पुल का काम

7 किमी हिस्सा होगा समुद्र के अंदर

14 सितंबर 2017 को हुआ था इनॉग्रेशन

508 किमी का ओवरऑल रूट

250 किमी तक खड़े किए जा चुके है पिलर

100 किमी का पुल हो चुका है तैयार

गर्डर्स की मदद से वायडक्ट का काम पूरा

नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के मुताबिक, बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत 40 मीटर लंबे फुल स्पैन बॉक्स गर्डर्स और सेगमेंट गर्डर्स को जोड़कर 100 किमी तक वायडक्ट का काम किया जा चुका है. वायडक्ट एक पुल जैसा स्ट्रक्चर होता है, जो दो पिलर को आपस में जोड़ता है.

इस प्रोजेक्ट के तहत गुजरात की 6 नदियों पर पुल का काम हो रहा है.

- पार (वलसाड जिला)
- पूर्णा (नवसारी जिला)
- मिंधोला (नवसारी जिला)
- अंबिका (नवसारी जिला)
- औरंगा (वलसाड जिला)
- वेंगानिया

12 स्टेशन, 3 घंटे का सफर

1 मुंबई-अहमदाबाद रूट पर बुलेट ट्रेन की मैक्जिमम स्पीड 350 किमी प्रति घंटा होगी. अभी मुंबई-अहमदाबाद के बीच नॉर्मल ट्रेन से दूरी 7-8 घंटे की है.

2 अगर बुलेट ट्रेन 12 स्टेशनों पर रुकेगी तो 3 घंटे में 508 किमी का सफर पूरा करेगी. यानी एवरेज स्पीड 170 किमी/घंटा होगी.

3 अगर 4 ही स्टेशनों मुंबई, अहमदाबाद, सूरत और वड़ोदरा पर रुकेगी तो दो घंटे में सफर पूरा कर लेगी. ऐसे में एवरेज स्पीड 254 किमी/घंटा होगी.

92 परसेंट ट्रैक रहेगा एलिवेटेड

- 508 किमी के रूट में से 351 किमी हिस्सा गुजरात और 157 किमी हिस्सा महाराष्ट्र से गुजरेगा. 92 परसेंट यानी 468 किमी लंबा ट्रैक एलिवेटेड रहेगा.
- मुंबई में 7 किमी का हिस्सा समुद्र के अंदर होगा. 25 किमी का रूट सुरंग से गुजरेगा. 13 किमी हिस्सा जमीन पर होगा. बुलेट ट्रेन 70 हाईवे, 21 नदियां पार करेगी.

DAINIK BHASKAR, Mumbai, 25.11.2023
Page No. 2, Size:(10.32)cms X (8.19)cms.

बुलेट ट्रेन का 103 किमी वायाडक्ट तैयार, 251 किमी मार्ग पर पिलर बने

सूरत-बिलिमोरा के बीच 2026 में बुलेट ट्रेन चलाने की तैयारी

वरिष्ठ संवाददाता | मुंबई

अहमदाबाद-मुंबई के बीच बुलेट ट्रेन परियोजना का काम तेजी से हो रहा है। गुजरात में सूरत से बिलिमोरा के बीच बुलेट ट्रेन का अब तक 103 किमी वायाडक्ट तैयार हो चुका है। कुल 508 किमी लंबे बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के 251 किमी मार्ग पर पिलर भी तैयार हो चुके हैं। सूरत-बिलिमोरा के बीच 2026 में देश की पहली बुलेट ट्रेन चलाने की तैयारी है। परियोजना लगा रही नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लि. (एनएचएसआरसीएल) ने यह जानकारी दी है।

एनएचएसआरसीएल ने बताया कि 40 मीटर लंबे फुल स्पैन बॉक्स गर्डर और सेगमेंटल गर्डर के माध्यम से इस परियोजना ने 103 किमी वायाडक्ट के निर्माण की उपलब्धि हासिल की है। कॉरिडोर तैयार करने के लिए फुल स्पैन लॉन्चिंग तकनीक (एफएसएलएम) और स्पैन बाय स्पैन लॉन्चिंग सेगमेंट का उपयोग किया जा रहा है। एफएसएलएम तकनीक स्पैन बाय स्पैन की तुलना में 10 गुना तेज है। आमतौर पर मेट्रो वायाडक्ट्स के निर्माण में यह तकनीक इस्तेमाल की जाती है।

6 नदियों से गुजरे वायाडक्ट

103 किमी तैयार वायाडक्ट गुजरात के अंतर्गत आने वाली 6 नदियों के ऊपर हैं। यह नदियां-पार (वलसाड), पूर्णा (नवसारी), मिंधोला (नवसारी), अंबिका (नवसारी), औरंगा (वलसाड) और वेंगनिया (नवसारी) में हैं। वायडक्ट का काम पूरा होने के बाद ध्वनि अवरोधक लगाने का काम इन पुलों पर शुरू है।

सूरत में बिछाया जा रहा ट्रैक

एनएचआरसीएल ने जापानी शिंकानसेन में उपयोग किए जाने वाले आरसी ट्रैक सिस्टम के ट्रैक बेड बिछाने का काम भी सूरत में शुरू कर दिया है। भारत में पहली बार जे-स्लैब गिट्टी रहित ट्रैक प्रणाली इस्तेमाल की जा रही है।

पहली पहाड़ी सुरंग तैयार

गुजरात के वलसाड में 350 मीटर लंबी पहली पहाड़ी सुरंग तैयार हो गई हैं। इसके अलावा सूरत में 70 मीटर लंबा पहला स्टील पुल बनाया गया है। परियोजना के तहत इस तरह के कुल 28 स्टील पुल बनाए जाएंगे।

DECCAN CHRONICLE, Chennai, 25.11.2023
Page No. 5, Size:(11.43)cms X (5.16)cms.

■ Vaishnaw shares video as bullet train project achieves milestone

Bullet train: 100 km of viaducts, 230 km pier work done

Mumbai, Nov. 24: The National High Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL), which is building the Mumbai-Ahmedabad bullet train corridor, has said that 100 kilometres of viaducts and 230 kilometres of pier work had been completed for the ambitious project. The milestone of construction of 100 km of viaducts has been achieved through launching of 40-metre long 'full span box girders' and 'segmental girders', the NHSRCL said on Thursday.

Railway minister Ashwini Vaishnaw uploaded a video on X to give information about the feat.

The viaducts include bridges over six Gujarat rivers, namely Par and Auranga in Valsad district, as well as Purna, Mindhola, Ambika and Venganiya in Navsari district.

"The first girder of the project was launched on November 25, 2021, while the first kilometre of viaduct was ready in six months on June 30, 2022. It achieved construction of 50 kilometres of viaduct on April 22, 2023 and, thereafter, in six months 100 kilometres of viaduct were completed," the NHSRCL said.

"The full span launching technique (FSLM), where 40-metre long box girders are launched by state-of-the-art equipment, is being used along with span-by-span launching of segments. FSLM is 10 times faster than the span-by-span method, which is normally used to build metro viaducts," it added.

According to the NHSRCL, apart from the viaduct work, 250 kilometres of pier work has also been completed for the project, while installation of noise barriers has begun along the constructed viaduct.

"Besides this, the laying of the first reinforced concrete (RC) track bed for the Mumbai Ahmedabad high speed rail corridor track system as used in the Japanese Shinkansen has also started in Surat," the NHSRCL said.

The total cost of the Mumbai-Ahmedabad High Speed Rail Corridor project is pegged at ₹1.08 lakh crores.

As per the shareholding pattern, the Union government will pay ₹10,000 crores to the NHSRCL, while Gujarat and Maharashtra are to pay ₹5,000 crores each.

The rest of the cost is by way of a loan at 0.1 per cent interest from Japan.

The foundation of the bullet train project was laid in Ahmedabad in September 2017. The train is expected to cover a distance of more than 500 km in around two hours. — *PTI*

AAJ, Lucknow, 25.11.2023
Page No. 9, Size:(6.05)cms X (4.80)cms.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन : 100 किमी पुल 230 किमी तक खंभे लगाने का काम पूरा

मुंबई(एजेंसी)। अहमदाबाद बुलेट ट्रेन गलियारा परियोजना के लिए 100 किलोमीटर तक पुल (वायाडक्ट) निर्माण और 230 किलोमीटर तक खंभे लगाने का काम पूरा हो चुका है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत निर्माण कार्य कर रही नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने यह जानकारी दी। रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस संबंध में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक वीडियो भी जारी किया।एनएचएसआरसीएल के अनुसार, इन पुलों में गुजरात की 6 नदियों यानी वलसाड जिले में पार और औरंगा, नवसारी जिले में पूर्णा, मिंधोला, अंबिका और वेंगानिया पर पुल शामिल हैं। एनएचएसआरसीएल ने कहा, "परियोजना का पहला गर्डर 25 नवंबर, 2021 को लगाया गया था और छह महीने में यानी 30 जून, 2022 तक एक किलोमीटर तक पुल तैयार हो गया था। इस साल 22 अप्रैल को 50 किलोमीटर पुल निर्माण का काम पूरा कर लिया गया और फिर इसके छह महीने में 100 किलोमीटर तक पुल बना लिया गया।"

उसने बताया कि इसके अलावा परियोजना के लिए 250 किलोमीटर तक खंभे लगाने का काम भी पूरा हो चुका है और निर्मित पुल के किनारे शोर अवरोधक लगाने शुरू कर दिए गए हैं।मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल गलियारा परियोजना की कुल लागत 1.08 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है। शेयरधारण प्रणाली के अनुसार, केंद्र सरकार एनएचएसआरसीएल को 10,000 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी, जबकि गुजरात सरकार पांच हजार करोड़ रुपये और महाराष्ट्र सरकार भी इतनी ही राशि का भुगतान करेगी। बाकी लागत जापान से 0.1 प्रतिशत ब्याज पर ऋण के माध्यम से पूरी की जा रही है।

AMRIT VICHAR, Lucknow, 25.11.2023
Page No. 13, Size:(4.82)cms X (8.92)cms.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन 230 किमी तक लग गए खंभे

मुंबई। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन गलियारा परियोजना के लिए 100 किलोमीटर तक पुल (वायडक्ट) निर्माण और 230 किलोमीटर तक खंभे लगाने का काम पूरा हो चुका है। निर्माण कार्य कर रही नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल)ने यह जानकारी दी। रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर एक वीडियो भी जारी किया। एनएचएसआरसीएल के अनुसार, इन पुलों में गुजरात की छह नदियों यानी वलसाड जिले में पार और औरंगा, नवसारी जिले में पूर्णा, मिंधोला, अंबिका और वेंगानिया पर पुल शामिल हैं। एनएचएसआरसीएल ने कहा कि परियोजना का पहला गर्डर 25 नवंबर, 2021 को लगाया गया था और छह महीने में यानी 30 जून, 2022 तक एक किलोमीटर तक पुल तैयार हो गया था। इस साल 22 अप्रैल को 50 किलोमीटर पुल निर्माण का काम पूरा कर लिया गया और फिर इसके छह महीने में 100 किलोमीटर तक पुल बना लिया गया। परियोजना के लिए 250 किलोमीटर तक खंभे लगाने का काम भी पूरा हो चुका है और निर्मित पुल के किनारे शोर अवरोधक लगाने शुरू कर दिए गए हैं। बुलेट ट्रेन परियोजना की नींव सितंबर 2017 में अहमदाबाद में रखी गई थी। ट्रेन के लगभग दो घंटे में 500 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करने की उम्मीद है।

DAILY NEWS, Lucknow, 25.11.2023
Page No. 12, Size:(4.50)cms X (8.40)cms.

भारत की पहली बुलेट ट्रेन का फर्स्ट फेज

नई दिल्ली। भारत के बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का पहला फेज काम तेजी से जारी है। इसमें 100 किमी का पुल तैयार हो चुका है। 250 किमी तक पिलर खड़े किए जा चुके हैं। देश की पहली बुलेट ट्रेन मुंबई से अहमदाबाद के बीच चलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी पीएम शिंजो आबे ने 14 सितंबर 2017 को अहमदाबाद में इस प्रोजेक्ट का इनॉगरेशन किया था। इस प्रोजेक्ट का नाम मुंबई–अहमदाबाद हाई–स्पीड रेल कॉरिडोर रखा गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार 23 नवंबर को बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की झलक दिखाने वाला एक वीडियो शेयर किया। साथ ही प्रोजेक्ट से जुड़ी जानकारी भी शेयर की। नेशनल हाईस्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के मुताबिक बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत 40 मीटर लंबे फुल स्पैन बॉक्स गर्डर्स और सेगमेंट गर्डर्स को जोड़कर 100 किमी तक वायडक्ट का निर्माण किया जा चुका है।

NAVBHARAT TIMES, Mumbai, 25.11.2023
Page No. 4, Size:(6.24)cms X (6.75)cms.

बुलेट ट्रेन दौड़ाने के लिए 100 किमी ब्रिज हुआ तैयार

देश के पहले हाई स्पीड प्रॉजेक्ट के लिए बड़ी उपलब्धि

Damodar.vyas@timesgroup.com

■ **मुंबई :** देश की पहली हाई स्पीड ट्रेन को दौड़ाने के लिए 100 किमी तक ब्रिज का निर्माण हो चुका है। इसके अलावा करीब 250 किमी तक ब्रिज बनाने के लिए पियर का काम भी पूरा हो चुका है। हाई स्पीड रेल प्रॉजेक्ट के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। मुंबई से गांधीनगर तक देश की पहली हाई स्पीड (बुलेट ट्रेन) चलाई जानी है। नैशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) ने पहले 1 किमी वायाडक्ट का काम 6 महीने में पूरा किया था। इसके बाद अगले 50 किमी का काम पूरा करने में 10 महीने और इससे अगले 50 किमी यानी पूरे 100 किमी वायाडक्ट के काम में 6 महीने लगे।

गुड न्यूज

नई तकनीक से आसान हुआ काम

इस प्रॉजेक्ट का काम करने के लिए NHSRCL ने कई ऐसी नई तकनीक का इस्तेमाल किया है, जिनका भारत में पहली बार प्रयोग हो रहा है। देश में पहली बार 40 मीटर लंबे फुल स्पैन (ब्रिज का सबसे छोटा हिस्सा) के बॉक्स बनाए जा रहे हैं। इन स्पैन को लॉन्च करने के लिए फुल स्पैन लॉन्चिंग तकनीक (FSLM) और स्पैन बाय स्पैन लॉन्चिंग सेगमेंट का उपयोग साथ-साथ किया जा रहा है। मेट्रो के लिए जो ब्रिज बनते हैं, उसमें जिस तकनीक से स्पैन लॉन्च होते हैं, उससे 10 गुना तेजी से हाई स्पीड रेल के स्पैन लॉन्च होते हैं।

शुरू हुआ ट्रैक बिछाने का काम

जापानी शिंकानसेन में उपयोग किए जाने वाले रीइंफोर्स्ड कंक्रीट (RC) ट्रैक सिस्टम के ट्रैक बेड बिछाने का काम सूरत में शुरू हो गया है। पहली बार भारत में जे-स्लैब गिट्टी रहित ट्रैक प्रणाली का उपयोग हो रहा है। वायाडक्ट पर नॉइज बैरियर्स भी लगाए जा रहे हैं।

प्रदूषण पर हो रहा है कंट्रोल

पिछले कुछ दिनों से मुंबई में प्रदूषण का स्तर पर बढ़ने के बाद बीएमसी द्वारा निर्माण कार्यों के लिए जारी की गई गाइडलाइन का पालन NHSRCL द्वारा किया जा रहा है। बीकेसी में जहां स्टेशन का निर्माण हो रहा है, वहां साइट पर मिस्ट गन का इस्तेमाल किया जा रहा है। आसपास की सड़कों पर पानी का छिड़काव किया जा रहा है। साइट पर आने-जाने वाले वाहनों के टायर्स की धुलाई हो रही है। निर्माणाधीन साइट पर ऊंचे बैरिकेड्स लगाए जा चुके हैं।

RASHTRIYA SAHARA, Gorakhpur, 25.11.2023
Page No. 11, Size:(4.71)cms X (6.16)cms.

100 किमी तक पुल निर्माण, 230 किमी तक खंभे का कार्य पूरा

बुलेट ट्रेन परियोजना

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल गलियारा परियोजना की कुल लागत 1.08 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है

मुंबई (भाषा)। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन गलियारा परियोजना के लिए 100 किलोमीटर तक पुल (वायडक्ट) निर्माण और 230 किलोमीटर तक खंभे (पिलर) लगाने का काम पूरा हो चुका है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत निर्माण कार्य कर रही नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने यह जानकारी दी। रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस संबंध में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक वीडियो भी जारी किया। एनएचएसआरसीएल के अनुसार, इन पुलों में गुजरात की छह नदियों यानी वलसाड जिले में पार और औरंगा, नवसारी जिले में पूर्णा, मिंधोला, अंबिका और वेंगानिया पर पुल शामिल हैं।

एनएचएसआरसीएल ने कहा, 'परियोजना का पहला गर्डर 25 नवंबर, 2021 को लगाया गया था और छह महीने में यानी 30 जून, 2022 तक एक किलोमीटर तक पुल तैयार हो गया था। इस साल 22 अप्रैल को 50 किलोमीटर पुल निर्माण का काम पूरा कर लिया गया और फिर इसके छह महीने में 100 किलोमीटर तक पुल बना लिया गया।' उसने बताया कि इसके अलावा परियोजना के लिए 250 किलोमीटर तक खंभे लगाने का काम भी पूरा हो चुका है और निर्मित पुल के किनारे शोर अवरोधक लगाने शुरू कर दिए गए हैं। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल गलियारा परियोजना की कुल लागत 1.08 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है। शेयरधारण प्रणाली के अनुसार, केंद्र सरकार एनएचएसआरसीएल को 10,000 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी, जबकि गुजरात सरकार पांच हजार करोड़ रुपये और महाराष्ट्र सरकार भी इतनी ही राशि का भुगतान करेगी। बाकी लागत जापान से 0.1 प्रतिशत ब्याज पर ऋण के माध्यम से पूरी की जा रही है।

DAINIK BHASKAR, Delhi, 24.11.2023
Page No. 11, Size:(6.05)cms X (4.70)cms.

बुलेट ट्रेन के लिए 100 किमी में वायडक्ट तैयार

अहमदाबाद | अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए 100 किमी में वायडक्ट बनाने का काम पूरा हो गया है। 250 किमी में पिलर बनाए जा चुके हैं। इसके अलावा, बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए ट्रेक सिस्टम में जापान की शिंकनसेन टेक्नोलॉजी से तैयार पहले रिइंफोर्स्ड क्रंक्रीट (आरसी) ट्रेक बेड बिछाने का काम भी सूरत में शुरू हो गया है।

DAINIK BHASKAR, Surat, 24.11.2023
Page No. 2, Size:(11.05)cms X (9.75)cms.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट • 100 किमी वायाडक्ट तैयार, सूरत में रेन फोर्स कंक्रीट सिस्टम से ट्रैक बेड बिछाने का काम शुरू

गर्डर/ वायाडक्ट	दिनांक	समयावधि
प्रथम गर्डर की लॉन्चिंग	25 नवंबर 2021	-
01 किमी वायाडक्ट का काम पूरा	30 जून 2022	6 माह
50 किमी वायाडक्ट का काम पूरा	22 अप्रैल 2023	10 माह
100 किमी वायाडक्ट का काम पूरा	---	6 माह

सूरत | हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए 100 किमी वायाडक्ट का निर्माण पूरा कर लिया गया है। इसके साथ ही 250 किमी रूट के पिलर भी तैयार कर लिए गए हैं। 40 मीटर लंबे फुल स्पैन बॉक्स गर्डर्स और सेगमेंटल गर्डर्स लॉन्चिंग के माध्यम से लगाए गए। जापानी शिंकानसेन में उपयोग किए जाने वाले रेन फोर्स कंक्रीट ट्रैक सिस्टम के ट्रैक बेड बिछाने का काम भी सूरत में शुरू हो गया है। वलसाड जिले में 350 मीटर लंबी माउंटेन टनल भी बन गई है।

SANDESH, Ahmedabad, 24.11.2023
Page No. 3, Size:(10.05)cms X (9.21)cms.

Bullet Train Project: 100 km of viaducts and 250 km of piers completed

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટઃ ૧૦૦ કિ.મી.માં વાયડક્ટ્સ અને ૨૫૦ કિ.મી.માં પિયરની કામગીરી પૂર્ણ

અમદાવાદ । મુંબઈ-અમદાવાદ વચ્ચે બુલેટ ટ્રેનના કોરિડોર તૈયાર કરવાની કામગીરી પુરજોશમાં ચાલી રહી છે. પ્રોજેક્ટ અંતર્ગત ૧૦૦ કિ.મી.માં વાયડક્ટ્સની અને ૨૫૦ કિ.મી.માં પિયરની કામગીરી પુર્ણ કરી દેવામાં આવી છે. વર્ષ ૨૦૨૧ના નવેમ્બરમાં પ્રથમ ગર્ડર લોન્ચ કરાયું હતું. આ પરિયોજના ૪૦ મીટર લાંબા ફુલ સ્પાન બોક્સ ગર્ડર અને સેગમેન્ટલ ગર્ડર્સ લોન્ચિંગની મદદથી કુલ ૧૦૦ કિ.મી. વાયડક્ટ્સની કામગીરી પૂર્ણ કરાઇ છે. આ સાથે બિલ્ટ વાયડક્ટ પર અવાજ અવરોધકોની સ્થાપના પણ શરૂ કરાઇ છે. જાપાની શિંકાનસેનમાં ઉપયોગમાં લેવાતી રિઇન્ફોર્સ્ડ કોંક્રિટ (આરસી) ટ્રેક સિસ્ટમના ટ્રેક બેડ નાખવાનું કામ પણ સુરતમાં શરૂ કરાયુ છે. જે-સ્લેબ બેલાસ્ટલેસ ટ્રેક સિસ્ટમનો ઉપયોગ દેશમા પ્રથમવાર કરાઇ રહ્યો છે. આ સાથે વલસાડ જિલ્લામાં ૩૫૦ મીટરની પ્રથમ પર્વતોમાં બનાવેલ ટનલની કામગીરી પૂર્ણ થઇ છે.

DIVYA BHASKAR, Ahmedabad, 24.11.2023
Page No. 4, Size:(10.72)cms X (8.69)cms.

100 km of viaducts ready, 250 km of pillars completed for bullet train corridor

બુલેટ ટ્રેન કોરિડોર માટે 100 કિમીના વાયડક્ટ્સ તૈયાર 250 કિલોમીટર સુધી પિલર બનાવવાનું કામ પૂર્ણ કરાયું

અમદાવાદા બુલેટ ટ્રેન કોરિડોર પ્રોજેક્ટ માટે નેશનલ હાઈસ્પીડ રેલ કોર્પોરેશન દ્વારા 100 કિલોમીટરના વાયડક્ટ્સની કામગીરી પૂર્ણકરી દેવાઈ છે. 50 કિલોમીટર રૂટ પર વાયડક્ટના કામગીરી 22 એપ્રિલ 2023ના રોજ તેમજ 100 કિલોમીટર રૂટ પર વાયડક્ટની કામગીરી બીજા 6 મહિનામાં પૂર્ણ કરી દેવાઈ છે. આ પ્રોજેક્ટમાં 40 મીટર લાંબા ફુલ સ્પાન બોક્સ ગર્ડર અને સેગમેન્ટલ ગર્ડર્સ સાથે કુલ 100 કિલોમીટર રૂટ પર વાડયક્ટના નિર્માણની કામગીરી પૂર્ણ કરવામાં આવી છે. આ પ્રોજેક્ટ માટે 250 કિલોમીટર રૂટ પર પિલર બનાવવાની કામગીરી પણ પૂર્ણ થઈ ગઈ છે.

FREE PRESS JOURNAL, Mumbai, 24.11.2023
Page No. 23, Size:(7.12)cms X (5.81)cms.

Bullet Train

The National High-Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) has achieved another milestone in the Mumbai-Ahmedabad High-Speed Rail Corridor project by successfully completing the construction of 100 km of viaduct, and 250 km of pier work. A viaduct is a long bridge-like structure supported by a series of arches or spans between tall towers that carry an elevated road or railway line. Railways Minister Ashwini Vaishnaw on Thursday shared a video showing the progress of the ongoing 'Bullet Train' project.

INDIAN EXPRESS, Ahmedabad, 24.11.2023
Page No. 13, Size:(6.52)cms X (7.00)cms.

230-km pier work complete on bullet train project: Vaishnaw

PRESS TRUST OF INDIA
MUMBAI, NOVEMBER 23

THE NATIONAL High Speed Rail Corporation Limited building the Mumbai-Ahmedabad bullet train corridor said on Thursday that 100 km of viaducts and 230 km of pier work had been completed for the ambitious project.

The milestone of construction of 100 km of viaducts has been achieved through launching of 40-metre long 'full span box girders' and 'segmental girders', the NHSRCL said.Railway Minister Ashwini Vaishnaw uploaded a video on X, formerly Twitter, to inform about the feat. According to NHSRCL, the viaducts include bridges over six Gujarat rivers, namely Par and Auranga in Valsad district, as well as Purna, Mindhola, Ambika and Venganiya in Navsari district.

"The first girder of the project was launched on November 25, 2021, while the first kilometer of viaduct was ready in six months on June 30, 2022. It achieved construction of 50 kilometres of viaduct on April 22, 2023 and, thereafter, in six months 100 kilometers of viaduct were completed," the NHSRCL said.

"The Full Span Launching technique (FSLM), where 40-metre long box girders are launched by state-of-the-art equipment, is being used along with span by span launching of segments," it added.

DAINIK BHASKAR, Amritsar, 24.11.2023
Page No. 7, Size:(10.94)cms X (8.07)cms.

बुलेट ट्रेन के लिए 100 किमी में वायडक्ट तैयार

अहमदाबाद | अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए 100 किमी में वायडक्ट बनाने का काम पूरा हो गया है। 250 किमी में पिलर बनाए जा चुके हैं। इसके अलावा, बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए ट्रेक सिस्टम में जापान की शिंकनसेन टेक्नोलॉजी से तैयार पहले रिइंफोर्स्ड क्रंक्रीट (आरसी) ट्रेक बेड बिछाने का काम भी सूरत में शुरू हो गया है।

DAINIK BHASKAR, Bhopal, 24.11.2023
Page No. 18, Size:(11.67)cms X (9.05)cms.

बुलेट ट्रेन के लिए 100 किमी में वायडक्ट तैयार

अहमदाबाद | अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए 100 किमी में वायडक्ट बनाने का काम पूरा हो गया है। 250 किमी में पिलर बनाए जा चुके हैं। इसके अलावा, बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए ट्रेक सिस्टम में जापान की शिंकनसेन टेक्नोलॉजी से तैयार पहले रिइंफोर्स्ड कंक्रीट (आरसी) ट्रेक बेड बिछाने का काम भी सूरत में शुरू हो गया है।

DAINIK BHASKAR, Chandigarh, 24.11.2023
Page No. 10, Size:(8.49)cms X (7.81)cms.

बुलेट ट्रेन के लिए 100 किमी में वायडक्ट तैयार

अहमदाबाद | अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए 100 किमी में वायडक्ट बनाने का काम पूरा हो गया है। 250 किमी में पिलर बनाए जा चुके हैं। इसके अलावा, बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए ट्रेक सिस्टम में जापान की शिंकनसेन टेक्नोलॉजी से तैयार पहले रिइंफोर्स्ड कंक्रीट (आरसी) ट्रेक बेड बिछाने का काम भी सूरत में शुरू हो गया है।

DAINIK BHASKAR, Ranchi, 24.11.2023
Page No. 11, Size:(8.32)cms X (7.41)cms.

बुलेट ट्रेन के लिए 100 किमी में वायडक्ट तैयार

अहमदाबाद | अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए 100 किमी में वायडक्ट बनाने का काम पूरा हो गया है। 250 किमी में पिलर बनाए जा चुके हैं। इसके अलावा, बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए ट्रेक सिस्टम में जापान की शिंकनसेन टेक्नोलॉजी से तैयार पहले रिइंफोर्स्ड कंक्रीट (आरसी) ट्रेक बेड बिछाने का काम भी सूरत में शुरू हो गया है।

DAINIK BHASKAR, Raipur, 24.11.2023
Page No. 13, Size:(7.91)cms X (7.04)cms.

बुलेट ट्रेन के लिए 100 किमी में वायडक्ट तैयार

अहमदाबाद | अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए 100 किमी में वायडक्ट बनाने का काम पूरा हो गया है। 250 किमी में पिलर बनाए जा चुके हैं। इसके अलावा, बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए ट्रेक सिस्टम में जापान की शिंकनसेन टेक्नोलॉजी से तैयार पहले रिइंफोर्स्ड कंक्रीट (आरसी) ट्रेक बेड बिछाने का काम भी सूरत में शुरू हो गया है।

MANAV MITRA, Ahmedabad, 24.11.2023
Page No. 5, Size:(12.77)cms X (15.86)cms.

100 km viaducts completed for Mumbai-Ahmedabad High Speed Rail Corridor Project

મુંબઈ-અમદાવાદ હાઈ સ્પીડ રેલ કોરિડોર પ્રોજેક્ટ માટે ૧૦૦ કિ.મીના વાયડક્ટ્સની કામગીરી પૂર્ણ

અમદાવાદ

એમ.એ.એચ.એસ.આર. કોરિડોર માટે ૧૦૦ કિમીના વાયડક્ટ્સ તૈયાર છે ૨૫૦ કિલોમીટર પિયર બનાવવાનું કામ પણ પૂર્ણ કરવામાં આવ્યું હતું. મુંબઈ-અમદાવાદ હાઈ સ્પીડ રેલ કોરિડોર પ્રોજેક્ટ માટે ૧૦૦ કિલોમીટરના વાયડક્ટ્સની કામગીરી પૂર્ણ થઈ ગઈ છે. ગર્ડર/ વાયડક્ટ તારીખ સમય મર્યાદા / સમાપ્તિનો સમય પ્રથમ ગર્ડરનું લોન્ચિંગ ૨૫ મી નવેમ્બર ૨૦૨૧ -વાયાડક્ટના પ્રથમ કિમીની કામની પૂર્ણાહુતિ ૩૦ મી જૂન ૨૦૨૨ ૬ મહિના વાયડક્ટના ૫૦ કિ.મી.ના કામની પૂર્ણાહુતિ ૨૨ મી એપ્રિલ ૨૦૨૩ ૧૦ મહિના વાયડક્ટના ૧૦૦ કિ.મી.ના કામની પૂર્ણાહુતિ. ૬ મહિના આ પરિયોજનાએ ૪૦ મીટર લાંબા ફુલ સ્પાન બોક્સ ગર્ડર અને સેગમેન્ટલ ગર્ડર્સના પ્રક્ષેપણ દ્વારા કુલ ૧૦૦ કિમી વાયડક્ટ્સના નિર્માણની આ સીમાચિહ્નરૂપ સિદ્ધિ હાંસલ કરી છે.

- ફુલ સ્પાન લોન્ચિંગ ટેકનિક (એફ.એસ.એલ.એમ.), જ્યાં અત્યાધુનિક લોન્ચિંગ ઉપકરણો દ્વારા ૪૦ એમ.ટી.આર. લાંબા બોક્સ ગર્ડર લોન્ચ કરવામાં આવે છે, તેનો ઉપયોગ સ્પાન સાથે સેગમેન્ટ્સના સ્પાન લોન્ચિંગ દ્વારા કરવામાં આવી રહ્યો છે. એફ.એસ.એલ.એમ. સ્પાન પછી સ્પાન પદ્ધતિ દ્વારા પ્રક્ષેપણ કરતા ૧૦ ગણી ઝડપી પદ્ધતિ છે, જે સામાન્ય રીતે મેટ્રો વાયડક્ટ્સના નિર્માણ માટે વપરાય છે.પ્રોજેક્ટ માટે ૨૫૦ કિ.મી. પિયર બનાવવાની કામગીરી પણ પૂર્ણ થઈ ગઈ છે. અ । વાયડક્ટમાં છ (૬) નદીઓ પરના પુલોનો સમાવેશ થાય છે: પાર (વલસાડ જિલ્લો), પૂર્ણા (નવસારી જિલ્લો), મિંઢોલા (નવસારી જિલ્લો), અંબિકા (નવસારી જિલ્લો), અંબિકા (નવસારી જિલ્લો), ઔરંગા (વલસાડ જિલ્લો) અને વેંગાનિયા (નવસારી પર્વતમાળા), જે તમામ નદીઓ ગુજરાતમાં આવેલી છે.

બિલ્ટ વાયડક્ટ પર અવાજ અવરોધકોની સ્થાપના પહેલેથી જ શરૂ થઈ ગઈ છે.જાપાનીઝ શિંકનસેનમાં ઉપયોગમાં લેવાતી એમ.એ.એચ.એસ.આર. કોરિડોર ટ્રેક સિસ્ટમ માટે પ્રથમ રિઈન્ફોર્સ્ડ કોંક્રિટ (આરસી) ટ્રેક બેડ નાખવાની કામગીરી પણ સુરતમાં શરૂ થઈ ગઈ છે. ભારતમાં જે-સ્લેબ બેલાસ્ટલેસ ટ્રેક સિસ્ટમનો ઉપયોગ કરવામાં આવી રહ્યો છે, તે ભારતમાં પહેલીવાર બનશે છે,

- ગુજરાતના વલસાડ જિલ્લામાં ૩૫૦ મીટરની પ્રથમ પર્વતોમાં બનાવેલ ટનલની કામગીરી પૂર્ણ થઈ ગઈ છે.
- ગુજરાતના સુરત જિલ્લામાં ૭૦ મીટર લંબાઈનો પ્રથમ સ્ટીલ બ્રિજ બનાવવામાં આવ્યો છે. આ ૨૮ સ્ટીલના પુલોમાંનો પ્રથમ પુલ છે જે એમ.એ.એચ.એસ.આર. કોરિડોરનો ભાગ હશે.

PUNYANAGAI- SMART MUMBAI, Mumbai, 26.11.2023
Page No. 4, Size:(11.35)cms X (9.02)cms.

Bullet train project completed 100 kms road : National Hi-speed Rail Corporation informs.230 kms pillars were also erected.

बुलेट ट्रेन प्रकल्पाचा १०० किमी मार्ग पूर्ण

नॅशनल हाय स्पीड रेल कॉर्पोरेशनची माहिती ▌२३० किलोमीटरपर्यंत खांबही बसवले

▌मुंबई : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडॉर प्रकल्पासाठी १०० किलोमीटरपर्यंतच्या पुलांचे आणि २३० किलोमीटरपर्यंत खांब बसवण्याचे काम पूर्ण झाले असल्याची माहिती या महत्त्वाकांक्षी प्रकल्पाचे बांधकाम करत असलेल्या नॅशनल हाय स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेडने दिली आहे. रेल्वेमंत्री अश्विनी वैष्णव यांनीही यासंदर्भातील एक व्हिडीओ समाज माध्यमांवर जारी केला आहे.

नॅशनल हाय स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेडच्या म्हणण्यानुसार, या पुलांमध्ये वलसाड जिल्ह्यातील पार आणि औरंगाबाद, नवसारी जिल्ह्यातील पूर्णा, मिंधोला, अंबिका आणि वेंगानिया या गुजरातच्या ६ नद्यांवर असलेल्या पुलांचा समावेश आहे.

प्रकल्पाचा पहिला गर्डर २५ नोव्हेंबर २०२१ रोजी बसवण्यात आला. त्यानंतर सहा महिन्यांत म्हणजेच ३० जून २०२२ पर्यंत पुलाचा एक किलोमीटरचा भाग तयार झाला. यावर्षी २२ एप्रिल रोजी ५० किलोमीटर लांबीच्या पुलाचे काम पूर्ण झाले. त्यानंतर सहा महिन्यांत १०० किलोमीटरचे पूल बांधण्यात आले. याशिवाय या प्रकल्पातील २५० किलोमीटरचे खांब बसवण्याचे कामही सुरू आहे.

मुंबई-अहमदाबाद हायस्पीड रेल कॉरिडॉर प्रकल्पाची एकूण किंमत १.०८ लाख कोटी रुपये आहे. समभागधारणा प्रणालीनुसार केंद्र सरकार नॅशनल हाय स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड १० हजार कोटी रुपये तर गुजरात सरकार ५ हजार कोटी रुपये आणि महाराष्ट्र सरकार देखील तेवढीच रक्कम देईल. उर्वरित खर्च जपानकडून ०.१ टक्का व्याजाने कर्जाद्वारे भागवला जात आहे. सप्टेंबर २०१७ मध्ये अहमदाबादमध्ये बुलेट ट्रेन प्रकल्पाची पायाभरणी करण्यात आली होती.